UNIT- IV

CC - 14

Chinese Revolution

# EFFECTS

चीन की 1911 की क्रांति के फलस्वरूप चीन के अंतिम राजवंश (चिंग राजवंश) की समाप्ति हुई और चीनी गणतंत्र बना। यह एक बहुत बड़ी घटना थी। मंचू लोगों का शासन पिछले तीन वर्षों से चला आ रहा था, जिसका अंत हो गया। बीसवीं शताब्दी में चीन एशिया का प्रथम देश था, जहाँ गणतांत्रिक सरकार की स्थापना हुई।

यद्यपि मंचू शासन का अंत अपेक्षाकृत सरलता से हो गया था किंतु क्रांति की मूलभूत कमजोरियाँ भी स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ने लगीं। युआन राष्ट्रपति था किंतु वह प्रतिनिधि सरकार के प्रति समर्पित न था और उसने प्रत्येक अवसर का प्रयोग संसदात्मक प्रक्रिया को उलटने के लिए किया। क्रांति का काल संक्षिप्त रहा। इसने राजतंत्रीय गणतंत्र की स्थापना की। इस गणतंत्र की आधारशिलायें जिन सामाजिक शक्तियों पर थीं वे काफी कमजोर थीं। कुलीन तथा सेना जैसी जिन सामाजिक शक्तियों ने इस क्रांति को संचालन किया उनके पास लंबे समय के लिए देने को कुछ न था। क्रांतिकारी बुद्धिजीवी एक मजबूत सामाजिक आधार तथा सेना की सहायता के अभाव में प्रभावहीन बने रहे। इस क्रांति की सबसे महत्वपूर्ण कमजोरी यह थी कि इसने चीन की आबादी के मुख्य भाग कृषकों की पूर्ण अवहेलना की। यह क्रांति अपरिहार्य तौर पर समाज के प्रभुत्वशालि गुटों के बीच संघर्ष थी। क्रांति के फलस्वरूप सुधार जनता की अभिलाषाओं को संतुष्ट करने में असफल रहे। इसके बावजूद क्रांति के पश्चात् चीन में नवीन सामाजिक शक्तियों का उद्भव हुआ। अन्य दूसरे तात्कालिक कारणों ने राष्ट्रवादी भावनाओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान किया। सुधारवादियों तथा क्रांतिकारियों दोनों ने एक मिलकर जनता के बीच जागरूकता को पैदा किया।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept of History [S.B. College, Ara]

M.A. [SEM-3]; Session: 2021-2023

20. 02. 2024

Class - 1 - (one)

Mob: 8809947478
Email. Id:
ukrai.sasaram@gmail.com